दिनाक: 21/05/2025

सेवा में

समन्वयक,
राष्ट्रीय सेवा योजना, ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय
लखनऊ।

विषय: एनएसएस इकाई -IV द्वारा सत्र 2024-25 में कराए गए कार्यों के विवरण के संबंध में।

महोदया,

कृपया अवगत कराना है कि राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई-IV द्वारा कराए गए कार्यों का विवरण निम्नवत है:

क्रम संख्या	माह एवं दिनांक	कराए गए कार्यों का विवरण	
01	21th June 2024	Yoga Day	Enclousre No.1
02	13thAug.2024	Har Ghar Tiranga Abhiyan	Enclousre No.2&3
03	17thst Sept. 2024	Nasha Mukt Abhiyan (Shapath grahan)	Enclousre No.4
04	19th-21sh Sept. 2024	Cleaning Drive at Univ.Campus	Enclousre No.5&6
05	13th-18th jan'25	Youa youth Diwas	Enclousre No.7
06	28th Jan.2025	One day Cleaning Camp.at adopted Village	Enclousre No.8
07	29th Jan.2025	One day Health Awareness Camp at adopted Village	Enclousre No.09
08	24thFeb.-2ndMar.2025	7th Day-Night Special Camp.	Enclousre No.10
09	14th Apr.2025	**One Day National Seminar "Contribution of Babasaheb Dr. Bhimrao Ambedkar in Women Empowerment"**	Enclousre No.11

Enclousre No.5&6

Cleaning Drive at University Campus

روزنامہ صحافت لکھنؤ

لینگویج یونیورسٹی کے کیمپس میں این ایس ایس رضا کاروں کے ذریعے صفائی مہم

لکھنؤ: لینگویج یونیورسٹی میں وائس چانسلر پروفیسر این۔ پی۔ سنگھ کے زیر نگرانی این ایس ایس (اکائی چار اور پانچ) کے ذریعے "سوچھتا مہم کے تحت صحت وصفائی کے پندرہ

کو فروغ دینے کے لئے اور اپنے اردگرد کے ماحول کو صاف وشفاف رکھنے کے لئے کیمپس صفائی مہم چلائی گئی۔ اس پروگرام میں این ایس ایس کے رضا کاروں نے کیمپس کے مختلف حصوں، میدانوں، روشوں اور کلاس روم کی صفائی کی اور دیگر طلبہ کو بھی کیمپس کو صاف ستھرا رکھنے کی تلقین کیرتے ہوئے کہا کہ آپ بھی لوگ اس صفائی کے مہم میں حصہ لیں اور اپنی ذمہ داریوں کو سمجھیں۔ اس صفائی مہم کے بعد طلبہ کے اندر صحت وصفائی کے پیغام کو پہنچانے کے لئے ایک ریلی کا بھی اہتمام کیا گیا جس میں این ایس ایس کے رضا کاروں کے علاوہ کثیر تعداد میں مختلف شعبوں کے طلبہ شریک ہوئے۔ اس ریلی طلبہ نے نعروں اور نعروں کے ذریعے صفائی اور نظافت کے پیغام کو پہنچانے کی کوشش کی۔ اس ریلی کے اختتام پر این ایس ایس پروگرام آفسر ڈاکٹر اجے کرشنا نے طلبہ سے خطاب کرتے ہوئے کہا کہا این ایس ایس کے رضا کاروں نے جو صفائی اور ستھرائی کے لئے طلبہ کے اندر بیداری اور احساس ذمہ داری پیدا کرنے کے لئے جو مہم چلا رہے ہیں وہ قابل تعریف ہے مگر یہ صفائی مہم صرف سوچھتا پکھواڑے تک ہی نہیں رہنا چاہیے بلکہ اس کو اپنے مزاج اور فطرت کا حصہ بنانے کی ضرورت ہے لہٰذا آپ کو اپنے آس پاس کے ماحول اور نواحلقس کو ہمیشہ صاف اور شفاف بنائے رکھنا چاہیے اور اپنے شہروں، محلوں اور گلیوں کی عوام کو بیدار کرنے کے ساتھ اس کا عملی ثبوت بھی دینا چاہیے۔ اس موقع این ایس ایس پروگرام آفسر ڈاکٹر ظفر انکی اپنے طلبہ سے صفائی اور نظافت کے تئیں تلقین کرتے ہوئے کہا کہ صحت مند ہندوستان کا راستہ صفائی کے نظام کو اپنی زندگی میں اتارنے سے ہی ممکن ہے۔ انھوں نے یہ بھی کہا کہ بہت پہلے مہاتما گاندھی نے نصیحت کرتے ہوئے کہا کہ صفائی خدا پرستی کے مترادف ہے۔ اب وقت آ گیا ہے کہ مہاتما گاندھی نے جو صاف ستھرے بھارت کا خواب دیکھا تھا اسے شرمندہ تعبیر کیا جا سکے۔ اس پروگرام میں این ایس ایس رضا کاروں کے ساتھ دیگر طلبہ نے بڑھ چڑھ کر حصہ لیا۔

भाषा विश्वविद्यालय में मनाया स्वच्छता अभियान

روزنامہ راشٹریہ سہارا

صفائی کی عادت کو اپنی زندگی کا حصہ بنانے کی ضرورت

لینگویج یونیورسٹی میں این ایس ایس کے تحت حلف برداری اور ریلی کا انعقاد

لکھنؤ | پریس ریلیز |

لوک بھون اور پریہ دشنی لینگویج یونیورسٹی میں این ایس ایس کے تحت، وائس چانسلر پروفیسر این پی سنگھ کی رہنمائی میں حلف برداری اور ریلی کا انعقاد کیا گیا۔ اس موقع پر وائس چانسلر پروفیسر این پی سنگھ نے طلبہ سے خطاب کرتے ہوئے کہا کہ طلبہ کو صفائی کی عادت کو اپنی زندگی کا حصہ بنانا نہایت ضروری ہے۔ انہوں نے کہا کہ طلبہ کو صفائی کی عادت کو اپنی زندگی کا حصہ بنانے کی ضرورت ہے کیونکہ اس کے بغیر وہ اپنے گھر کی اور ہندوستان کی صفائی ممکن نہیں ہے۔ سنگھ نے اپنی مہم پر صفائی اور ستھرائی قائم کرنے کی کوشش کرنی ہے لیکن ان کے ساتھ ہی اس کام میں اپنی ذاتی شرکت یقینی بنانا ہم سب کی ذمہ داری ہے۔ گھر کی بنا پر اور گھر کے ماحول اور ہماری زندگیوں کو متاثر کرتی ہے اور ایک بیدار معاشرہ اور ایک بیدار ملک کی تعمیر کرتا ہے۔ ہمیں ذاتی اور اجتماعی صفائی کو برقرار رکھنا چاہیے اور دوسروں کو بھی صفائی کے بارے میں آگاہ کرنا چاہیے۔ انہوں نے یہ بھی کہا کہ یہ صفائی کی مہم صرف ایک دن یا ایک ہفتے تک ہی محدود نہیں ہونا چاہیے بلکہ اس کو ہمیشہ کے لئے اپنی زندگی میں اختیار کرنا چاہیے۔ آپ کو اپنے آس پاس کے ماحول اور خواہشوں کو ہمیشہ صاف اور شفاف بنانے رکھنا چاہیے اور اپنے شہروں، محلوں اور گلیوں کی عوام کو بیدار کرنے کے ساتھ اس کا عملی نمونہ بھی بننا چاہیے۔ اس موقع پر پروفیسر قربان سعید نے طلبہ سے صفائی اور حفاظت کے تئیں تلقین کرتے ہوئے کہا کہ صحت مند ہندوستان کا راستہ صفائی کے نظام کو اپنی زندگی میں اتارنے سے ہی ممکن ہے۔ وائس چانسلر نیتی مجلندی رکھا کر ریلی کا آغاز کیا اور وزیر اعظم ڈاکٹر نیتی کمار نے سب کو صفائی کا حلف دلایا۔ اس ریلی طلبہ نے بینروں اور نعروں کے ذریعے صفائی اور حفاظت کے پیغام کو پھیلانے کی کوشش کی اور صفائی کے حوالے سے آگاہی دی۔ اس ریلی میں پروفیسر قربان سعید، پروفیسر اقتدام احمد، ساجد اعظمی، اختر علی، این ایس ایس کوآرڈینیٹر ڈاکٹر نیتی مشرا نے اپنی مشرا نے اپنی مشرا نے اپن

Enclousre No.7

Youa youth Diwas

भाषा विवि में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

एनबीएस संवाददाता

लखनऊ। आज विवेकानंद जयंती की पूर्वसंध्या खजाज मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में एनएसएस के अंतर्गत आज दोपहर में भारत के निर्माण में नई पीढ़ी की भूमिका विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। एनएसएस स्वयंसेवक डॉ. अमन कुमार, डॉ. वाहाब अलीम और डॉ. चमन अलनबी ने इस महत्वपूर्ण विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। डॉ. अमन कुमार ने इस महत्वपूर्ण विषय पर भाषण देते हुए कहा कि विवेकानंद के विचारों और सपनों को हर दिन की अमल में लाना चाहिए। भारत के युवाओं तक उनकी बातें और विचारों को पहुँचाना बहुत जरूरी है। और इसके साथ ही उन्हें अपने जीवन में उतारने की जरूरत है क्योंकि उनके विचार और योग ही भारत के निर्माण में बहुत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा भी कहा कि इस पूरे समाज में समाज में युवाओं की चर्चा की जानी चाहिए साथ ही युवाओं की समस्याओं और उनके समाधानों और उनकी महत्वकता की चर्चा भी जानी चाहिए। स्वामी विवेकानंद की जयंती 12 जनवरी से लेकर 18 जनवरी तक राष्ट्रीय युवा सप्ताह मनाने का मुख्य उद्देश्य युवाओं को प्रेरित करना और स्वामी विवेकानंद के आदर्शों के माध्यम से देश का गौरव बेहतर बनाना है। डॉ. वाहाब अलीम ने एनएसएस स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि विवेकानंद के व्यक्तित्व और उनके विचारों में एक सख्त का अवलोकन था। उन्होंने विशेष रूप से विचारों में विश्व भाषण का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक भाषण में विवेकानंद ने भारतीय ज्ञान और सभ्यता की गौरवशाली परंपरा का इस तरह प्रस्तुत किया कि उपस्थित जनों और महान दिग्-प्रतिनिधि और श्रोतागण स्तब्ध रह गए थे। उन्होंने आज के इस महत्वपूर्ण विषय पर बोलने वाले सभी छात्रों का उत्साहवर्धन किया उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियाँ न केवल आत्मविश्वास बढ़ाने में सहायक होती हैं, बल्कि उनके व्यक्तित्व को आकार देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस भाषण प्रतियोगिता में राहुल चौधरी, अमन कुमार, हर्ष तिवारी और रेहान खान के अलावा अन्य छात्रों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम का निर्देशन और मार्गदर्शन एनसीसीएस के छात्र समेत ने किया। इस कार्यक्रम में चौधरी, चंपावती और नवजवान इकाईयों के स्वयंसेवकों ने भाग लिया। इसके अलावा विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने भी उत्साह के साथ भाग लिया।

भाषा विवि में एनएसएस की भाषण प्रतियोगिता

स्वामी विवेकानंद जयंती पर भाषा विश्वविद्यालय में हुई प्रतियोगिता

लखनऊ

- राष्ट्रीय युवा सप्ताह मनाने का मुख्य उद्देश्य युवाओं को प्रेरित करना और स्वामी विवेकानंद के आदर्शों के माध्यम से देश का गौरव बेहतर बनाना है

लखनऊ, लोकमान्य / स्वामी विवेकानंद जयंती पर अवसर मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में एनएसएस के अंतर्गत आज दोपहर में भारत के निर्माण में नई पीढ़ी की भूमिका विषय पर भाषण प्रतियोगिता हुई। एनएसएस स्वयंसेवक डॉ. अमन कुमार, डॉ. वाहाब अलीम और डॉ. चमन अलनबी ने इस महत्वपूर्ण विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। डॉ. अमन कुमार ने कहा कि विवेकानंद के विचारों और सपनों को हर दिनों की अमल में लाना चाहिए। साथ के युवाओं तक उनकी बातें और विचारों को पहुँचाना बहुत जरूरी है। और इसके साथ ही उन्हें अपने जीवन में उतारने की जरूरत है क्योंकि उनके विचार और योग ही भारत के निर्माण में बहुत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा भी कहा कि इस पूरे समाज में समाज में युवाओं की चर्चा की जानी चाहिए साथ ही युवाओं की समस्याओं और उनके समाधानों और उनकी महत्वकता की चर्चा भी जानी चाहिए। स्वामी विवेकानंद की जयंती 12 जनवरी से लेकर 18 जनवरी तक राष्ट्रीय युवा सप्ताह मनाने का मुख्य उद्देश्य युवाओं को प्रेरित करना और स्वामी विवेकानंद के आदर्शों के माध्यम से देश का गौरव बेहतर करना है। डॉ. वाहाब अलीम ने एनएसएस स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि विवेकानंद के व्यक्तित्व और उनके विचारों में एक सख्त का अवलोकन था। उन्होंने विशेष रूप से विचारों में विश्व भाषण का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक भाषण में विवेकानंद ने भारतीय ज्ञान और सभ्यता की गौरवशाली परंपरा का इस तरह प्रस्तुत किया कि उपस्थित जनों और महान दिग्-प्रतिनिधि और श्रोतागण स्तब्ध रह गए थे। उन्होंने आज के इस महत्वपूर्ण विषय पर बोलने वाले सभी छात्रों का उत्साहवर्धन किया उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियाँ न केवल आत्मविश्वास बढ़ाने में सहायक होती हैं, बल्कि उनके व्यक्तित्व को आकार देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस भाषण प्रतियोगिता में राहुल चौधरी, अमन कुमार, हर्ष तिवारी और रेहान खान के अलावा अन्य छात्रों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम का निर्देशन और मार्गदर्शन एनसीसीएस के छात्र समेत ने किया।

Enclousre No.04

Nasha Mukt Abhiyan (Shapath grahan)

Enclousre No.8

One Day Cleaning Camp at Adopted Village(28th Jan.2025)

Enclousre No.9

One Day Health Awarness Camp Adopted Village(29th Jan.2025)

این ایس ایس کے رضا کاروں نے گاؤں کیمپ لگایا

لکھنؤ : خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی کی این ایس ایس اکائی چارنے گاؤں چکر پور دا میں ایک روزہ صحت بیداری مہم کے تحت ایک کیمپ کا انعقاد کیا گیا۔ اس ایک روزہ 7 این ایس کے رضا کاروں نے گھر ۔وں کو صحت اور صفائی کے تعلق سے جانکاری فراہم کی۔ خاص طور سے عورتوں کے تعلق سے صحت کے مسائل پر تفصیل کے ساتھ لوگوں کو آگاہ کیا۔ این ایس ایس کے رضا کاروں نے ٹی بی کے تحفظ کے بارے میں بھی لوگوں کو بتایا اور ساتھ یہ بھی کہا کہ اپنے گھروں میں صفائی کا خیال رکھنا بہت ضروری ہے۔ آخر میں این ایس ایس رضا کاروں اور گاؤں کے لوگوں سے مشترکہ خطاب کرتے ہوئے ڈاکٹر ابھے کرشنا نے کہا کہ معاصر عہد میں صحتمند اور بیماریوں سے دور معاشرے کی تعمیر کو لے کر سرکار بہت سنجیدہ ہے اور اس حوالے سے کام بھی کر رہی ہے لیکن خاص طور سے عورتوں کو تعلیمی میدان میں بہتر مواقع ملنے کے باوجود بہت سے دوسرے مسائل ہیں مگر ان مسائل کے درمیان اپنے لئے حل تلاش کرنے کی ضرورت ہے۔ انھوں نے یہ بھی کہا کہ خواتین کو اپنے جسم کے مسائل سے آگاہی حاصل کرنے کی ضرورت ہے اور اس سلسلے میں کسی بھی طرح کی لاپرواہی نہیں برتنی چاہیے کیونکہ خواتین اپنی، اپنے خاندان اور اس طرح قوم کی صحت کو یقینی بنانے میں اہم کردار ادا کرتی ہیں۔ خواتین کی صحت کو کسی بھی ملک کے لیے ایک اہم شعبہ سمجھا جاتا ہے۔ یہ خواتین ہی ہیں جو آنے والی نسل کو زندگی میں لائیں گی۔ وہ خواتین جو صحت مند نظر آتی ہیں، خاص طور پر بغیر کسی بیماری کے، ضروری نہیں کہ صحت مند ہوں۔ یہ انسان کی مجموعی جسمانی، ذہنی اور سماجی بہبود ہے نہ کہ محض کسی بیماری یا کمزوری کی عدم موجودگی۔ احتیاط علاج سے بہتر ہے۔ اس ایک روزہ کیمپ میں این ایس ایس رضا کاروں کے ساتھ گاؤں کے بہت سے لوگ بھی شرکت کی۔

Enclousre No.2&3

Har Ghar Tiranga Abhiyan(13th Aug.2024)

Har Ghar Tiranga Abhiyan

خواجہ چشتی یونیورسٹی میں ہر گھر ترنگا مہم کے تحت ترنگا ریلی

لکھنؤ (پریس ریلیز)

خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی میں وائس چانسلر پروفیسر این بی سنگھ کی سرپرستی میں این ایس ایس یونٹ چار اور پانچ کی طرف سے 'ہر گھر ترنگا' مہم کے تحت ترنگا ریلی نکالی گئی۔ یہ ترنگا ریلی این ایس ایس کوآرڈینیٹر ڈاکٹر ظلی مشرا، ڈاکٹر ابھے کرشنا اور ڈاکٹر ظفر النقی کی قیادت میں لینگویج یونیورسٹی کے اکادمی بلاک سے شروع کی گئی اور حب الوطنی کے نعرے لگاتے ہوئے یونیورسٹی کے ایڈمن بلاک پر اختتام پذیر ہوئی۔ ریلی میں رجسٹرار، اساتذہ، طلبہ اور این ایس ایس کے رضا کاروں نے حصہ لیا۔ اس موقع پر یونیورسٹی کے رجسٹرار ڈاکٹر مہیش کمار نے کہا کہ ملک کا پرچم اس ملک کی پہچان ہوتا ہے اور ملک کے لوگوں کے لئے سب سے قیمتی شے ہوتی ہے لہٰذا اس کو دل و جان سے زیادہ پیار کرنا چاہئے۔ ترنگا ریلی میں روورس رینجرس نے بھی حصہ لیا۔ ریلی کے اختتام پر روورس رینجرس انچارج نے اپنے طلبہ سے ترنگے کی تاریخ اور اس کی اہمیت پر تفصیل سے روشنی ڈالی۔

خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی میں ہر گھر ترنگا مہم کے تحت ترنگا ریلی کا اہتمام

لکھنؤ (قومی بھارت) خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی میں وائس چانسلر پروفیسر این بی سنگھ کی سرپرستی میں این ایس ایس یونٹ چار اور پانچ کی طرف سے "ہر گھر ترنگا" مہم کے تحت ترنگا ریلی نکالی گئی۔ یہ ترنگا ریلی این ایس ایس کوارڈینیٹر ڈاکٹر ظلی مشرا، ڈاکٹر ابھے کرشنا اور ڈاکٹر ظفر النقی کی قیادت میں لینگویج یونیورسٹی کے اکادمی بلاک سے شروع کی گئی اور حب الوطنی کے نعرے لگاتے ہوئے یونیورسٹی کے ایڈمن بلاک پر اختتام پذیر ہوئی۔۔ اس ریلی میں رجسٹرار، اساتذہ، طلبہ اور این ایس ایس کے رضا کاروں نے ترنگے کو اپنے ہاتھوں میں فخریہ احساس کے ساتھ تھام رکھا اور اس ترنگا ریلی کے دوران طلبہ اور اساتذہ کی جانب سے حب الوطنی کے نعرے لگا رہے تھے۔ اس موقع پر یونیورسٹی کے رجسٹرار ڈاکٹر مہیش کمار نے پر جوش طلبہ سے خطاب کرتے ہوئے کہا کہ ملک کا پرچم اس ملک کی پہچان ہوتا ہے اور ملک کے لوگوں کے لئے سب سے زیادہ قیمتی شئی ہوتی ہے لہذا اس کو دل و جان سے زیادہ پیار کرنا چاہیے۔ انھوں نے یہ بھی کہا کہ ملک کی خدمت کا جذبہ ہمارے اندر موجود رہنا چاہیے اور ساتھ ہی اسلاف کی قربانیوں کو بھی فراموش نہیں کرنا چاہیے۔ اس ریلی میں طلبہ سے خطاب کرتے ہوئے این ایس ایس کوارڈینیٹر ڈاکٹر ظلی مشرا نے کہا کہ یونیورسٹی کیمپس میں اس ترنگا ریلی نکالنے کا بنیادی مقصد یہ ہے کہ طلبہ کے دلوں کے اندر حب الوطنی کے جذبے کو فروغ دیا جا سکے اور ان کو اپنے گھروں پر ہندوستانی پرچم کی ترغیب دی جا سکے اور انہیں ہندوستان کے اس اہم سفر اور ان لوگوں کی یاد دلائی جا سکے جنہوں نے اس ملک کو عظیم بنانے میں اہم کردار کیا ہے۔ اس ترنگا ریلی کے اختتامی مرحلے پر اساتذہ، طلبہ اور این ایس ایس رضا کاروں کا شکریہ ادا کرتے ہوئے کہا کہ یہ پرچم یوں ہی ہمیں حاصل نہیں ہوا ہے اس کے ساتھ قربانیوں کا ایک طویل سلسلہ ہے اس کی حفاظت کرنا اور اس کی تکریم اور احترام کرنا ایک حب الوطن کے لئے نہ صرف ضروری ہے بلکہ جان سے زیادہ اہم ہے لہذا اس کی اہمیت اور عظمت کو ہمیشہ پیش نظر رکھنے کی ضرورت ہے۔ اس ترنگا ریلی میں روورس رینجرس نے بھی حصہ لیا۔ اس ریلی کے اختتام پر روورس رینجرس انچارج نے اپنے طلبہ سے ترنگے کی تاریخ اور اس کی اہمیت پر تفصیل سے روشنی ڈالی۔ اس اہم پروگرام میں پراکٹر ڈاکٹر نیرج شکلا، ڈاکٹر منور حسین اور ڈاکٹر مولوی رضا کے علاوہ دیگر اساتذہ کے ساتھ طلبہ اور این ایس ایس رضا کاروں اور روورس رینجرز نے شرکت کی۔

Enclousre No.1

Yoga Day (21th June 2024)

Enclousre No.11

14th April.2025

One Day

National Seminar

"Contribution of Babasaheb Dr. Bhimrao Ambedkar in Women Empowerment"

A **One-Day National Seminar** on the theme **"Contribution of Babasaheb Dr. Bhimrao Ambedkar in Women Empowerment"** was organized on 14th Apr.2025 by the NSS

Objective of the Seminar

The primary objective of the seminar was to explore and highlight the significant contributions made by **Dr. B.R. Ambedkar** towards the cause of **women empowerment in India**. The seminar aimed to bring together scholars, academicians, students, and social activists to discuss and deliberate on Dr. Ambedkar's vision, reforms, and actions related to gender justice and equality.

भाषा विवि में अम्बेडकर जयंती पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ में अम्बेडकर जयंती के पावन अवसर पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर के अटल सभागार में किया गया।विदित है कि प्रत्येक वर्ष पूरे विश्व में बोधिसत्व भारतरत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती को धूमधाम से मनाया जाता है। इसी श्रृंखला में हरदोई सीतापुर रोड अवस्थित ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ में बाबासाहेब की 134 वीं जयंती के पावन अवसर पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन प्रो. जे पी पांडेय के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा बाबासाहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके किया गया। राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रो. कालीचरण खेही, सेवानिवृत्त, लखनऊ विश्वविद्यालय ने कहा कि बाबासाहेब विश्वभूषण हैं। जनता ने दुनियां को बता दिया कि अंबेडकर जयंती कैसे मनाई जाती है। आज 192 देशों में बाबासाहेब की जय जयकार होती है। अमेरिका ने भी माना कि बाबासाहेब अंबेडकर ने हमारे यहां शिक्षा ग्रहण करके उसका सफल प्रयोग भारत में किया। प्रो. खेही ने कहा कि मोदी सरकार ने आज बाबासाहेब पर चर्चा और विमर्श कराए जा रहे हैं जबकि उत्तर प्रदेश सरकार तो 10 दिन का अंबेडकर जयंती कार्यक्रम करा रही है। अकादमिक जगत में बाबासाहेब पर चर्चा-परिचर्चा होनी चाहिए। प्रो. कालीचरण ने डॉ. अम्बेडकर को कोट करते बताया कि जाति के विनाश से ही स्वस्थ्य लोकतंत्र का निर्माण संभव है। स्वतंत्रता, समता और बंधुत्व किसी भी संवैधानिक राष्ट्र के कारक होने चाहिए। उन्होंने कहा कि बाबासाहेब प्रत्येक नागरिक के लिए एक आदर्श हैं। आज भारत में सभी जगह महिलाओं के प्रतिनिधित्व में डॉ. अम्बेडकर का ही योगदान है। कार्यक्रम की अध्यक्षता व्यवसाय प्रशासन के विभागाध्यक्ष डॉ. मुशीर अहमद ने की। एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में 300 के लगभग विद्यार्थियों और शिक्षकों ने पंजीकरण कराया जिसमें चुनिंदा प्रतिभागियों ने शोध पत्र का प्रस्तुतिकरण भी किया। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। अंबेडकर जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाषा विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. महेश कुमार की महती भूमिका रही जबकि संगोष्ठी के आयोजक के रूप में राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत संयोजक डॉ. अभय कृष्णा, सह संयोजक डॉ. पूनम चौधरी, डॉ. मनीष कुमार, आयोजन सचिव के डॉ. जफरुन नकी रहे। मंच का संचालन विवि के विद्यार्थी नशरा अंसारी और रुद्राक्ष ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. मनीष कुमार ने दिया। संगोष्ठी के दौरान प्रो. सौबान सईद, डॉ. राजेंद्र त्रिपाठी, डॉ. नीरज शुक्ल, डॉ. शचींद्र शेखर, डॉ. सिद्धार्थ सुदीप, डॉ. लक्ष्मण सिंह के साथ विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक और विद्यार्थी भारी तादाद में उपस्थित रहे।

Tuesday
15 April 2025

روزنامہ لکھنؤ

قومی صحافت

لینگویج یونیورسٹی میں ڈاکٹر امبیڈکر کے یوم ولادت پر ایک روزہ سیمینار کا انعقاد

مرد اساس معاشرے میں خواتین کو بااختیار بنانے میں ڈاکٹر بھیم راؤ امبیڈکر کا اہم کردار: پروفیسر کالی چرن سنہی

لکھنؤ: خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی کے مل ہال میں واقع چانسلر پروفیسر پی۔ پی پانڈے کے زیر نگرانی بابا صاحب ڈاکٹر بھیم راؤ امبیڈکر کے یوم ولادت کے موقع پر "خواتین کو بااختیار بنانے میں بابا صاحب امبیڈکر کا کردار" کے موضوع پر ایک روزہ سیمینار کا انعقاد کیا گیا۔ اس سیمینار کے پہلے سیشن میں امبیڈکر کی شخصیت اور خواتین کو بااختیار بنانے میں ان کے کردار پر پروفیسر کالی چرن سنہی نے بڑی معنی خیز گفتگو کی۔ اس سیمینار میں تقریر کرتے ہوئے پروفیسر کالی چرن سنہی نے کہا کہ قدیم ہندوستان سے لے کر آج تک ہندوستانی معاشرہ پدرانہ تصور پر مبنی ہے جس میں خواتین کو مختلف سماجی جھمیلوں کا نشانہ بنایا جا رہا ہے جیسے بچپن کی شادی، ستی نظام، پردہ کا نظام، دیوداسی نظام، جہیز اور گھریلو تشدد کے ساتھ ساتھ لڑکی جنین قتل وغیرہ رسوم کو ختم کرنے میں ڈاکٹر امبیڈکر کے کردار کو کسی طرح نظر انداز نہیں کیا جا سکتا ہے۔ ڈاکٹر بھیم راؤ امبیڈکر نے کہا کہ سماجی انصاف کے لیے خواتین کو بااختیار بنانا ضروری ہے جب ہی خواتین سماج میں ترقی کر سکتی ہیں۔ ڈاکٹر بھیم راؤ امبیڈکر کا مقصد آزادی، مساوات اور بھائی چارے کے جمہوری نظریات کے ساتھ معاشرے کی تشکیل نو کرنا تھا جس میں خواتین کو سامنے لایا جانا چاہیے۔ انھوں نے یہ بھی کہا کہ ان کی پوری زندگی کی جدوجہد استحصال زدہ اور محروم سماج کو برابر کی سطح پر لانے اور ان کے جائز حقوق دلانے سے عبارت ہے اس لئے جب ہم غیر استحصالی سماج اور مساوات پر مبنی معاشرے کی تعمیر کرنے میں اہم کردار ادا کریں گے تب ہی بابا صاحب کے خیالات و نظریات کو معنی خیزیت عطا کر سکیں گے اور یہی انہیں حقیقی اور سچی خراج عقیدت ہوگی۔

شعبۂ برنس ایڈمنسٹریشن کے صدر پروفیسر مشیر احمد نے اپنی صدارتی خطاب میں کہا کہ سماجی انصاف اور معاشرتی عدل کی تعمیر کی تحریک میں وہ صرف ایک امید ہی نہیں تھے بلکہ مجموعی اعتبار سے وہ ہندوستان کی ایک مستحکم، مضبوط اور روشن آواز تھے۔ وہ کسی ایک طبقے یا کسی ایک مذہب سے تعلق رکھنے والے رہنما نہیں تھے بلکہ پوری دنیا کے استحصال زدہ طبقے، محروم سماج اور محنت کشوں کے رہنما تھے اس لئے ڈاکٹر امبیڈکر کی شخصیت کی تفہیم کسی ایک زاویے سے ممکن ہی نہیں ہے۔ ان کی شخصیت کے کئی پہلو ہیں جو ہر دور کے ایک بڑے کیوں کی ضرورت ہے۔ ان کے افکار و خیالات آج بھی ہمارے لیے معنی خیز اور سبق آموز ہیں۔ عام طور پر کسی شخصیت کے نظریات و خیالات زمانے کے گزرنے کے باعث دھندلے پڑ جاتے ہیں تاہم امبیڈکر کے نظریات اور خیالات آج بھی روشن ہیں۔ انھوں نے مزدوروں، دلتوں اور خواتین کی آزادی کی آواز اٹھائی۔ انھوں نے ایک آئین ساز کے طور پر ایک نیا ہندوستان دیا اور شہریت، مساوات، حقوق، آزادی اور ریزرویشن جیسے اہم سیاسی موضوعات پر اپنی تصورات پیش کیا اور ان کے یہ تصورات آج بھی ہمارے مشعل راہ ہیں۔ اس ایک روزہ سیمینار کے کنوینر ڈاکٹر ادھے کرشن نے ڈاکٹر امبیڈکر کی ابتدائی زندگی، تعلیم اور ان کے نظریات اور فلسفیانہ خیالات پر اظہار خیال کیا۔ انھوں نے کہا کہ ڈاکٹر امبیڈکر ایک قانون داں، ماہر اقتصادیات اور دلت رہنما تھے جنھوں نے اس تحریک کی سربراہی کی جس نے ہندوستان کا آئین تیار کیا اور آزاد ہندوستان کے پہلے وزیر قانون کے طور پر خدمات انجام دیں اور انہوں نے دنیا کے سب سے بڑے جمہوری ملک میں جمہوریت کی راہ ہموار کی۔ ملک کے ہر شہری کے لیے قانون بنانے والے امبیڈکر کی زندگی اپنے آپ میں ایک تعلیم ہے۔ اس سیمینار کے دوسرے سیشن میں ڈاکٹر بھیم راؤ امبیڈکر کی شخصیت اور عورتوں کو بااختیار بنانے کے حوالے سے مختلف موضوعات پر مقالہ نگاروں نے اپنے مقالے پیش کیا اور سامعین نے ان مقالوں کے حوالے سے سوالات کئے جس کا مقالہ نگاروں نے تشفی بخش جوابات دیا۔ آخر میں سیمینار کے کنوینر ڈاکٹر منیش کمار نے شکریہ ادا کرتے ہوئے کہا کہ اس سیمینار کے ذریعے ڈاکٹر بھیم راؤ امبیڈکر کو نئے زاویوں سے تفہیم کی گئی ہے اور نئے پہلوؤں سے گفتگو کی گئی اور اس کی نظامت تشرح انصاری اور رودر آکش نے کی۔ اس سیمینار کے انعقاد میں ڈاکٹر ادھے کرشن، ڈاکٹر پوشپ چودھری، ڈاکٹر منیش کمار اور ڈاکٹر ظفر الحق نے اہم کردار ادا کیا۔ اس سیمینار میں پروفیسر قربان سعید، ڈاکٹر نیرج شکلا، ڈاکٹر راجیندر ترپاٹھی، ڈاکٹر محمد رضا، ڈاکٹر موسیٰ رضا، ڈاکٹر عباس رضا حیدری، ڈاکٹر عارف عباس، ڈاکٹر سدھارتھ سدیپ، ڈاکٹر اصغر رضوی اور ڈاکٹر محسن تنکھے کے علاوہ دیگر یونیورسٹی کے دیگر اساتذہ اور کثیر تعداد میں طلبہ بھی موجود تھے۔

भाषा विवि में हुआ अम्बेडकर जयंती पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ में अम्बेडकर जयंती के पावन अवसर पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर के अटल सभागार में किया गया।

विदित है कि प्रत्येक वर्ष पूरे विश्व में बोधिसत्व भारतरत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती को धूमधाम से मनाया जाता है। इसी श्रृंखला में हरदोई सीतापुर रोड अवस्थित ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ में बाबासाहेब की 134 वीं जयंती के पावन अवसर पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन प्रो. जे पी पांडेय के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों द्वारा बाबासाहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके किया गया।

राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रो. कालीचरण स्नेही, सेवानिवृत्त, लखनऊ विश्वविद्यालय ने कहा कि बाबासाहेब विश्वभूषण हैं। जनता ने दुनियां को बता दिया कि अंबेडकर जयंती कैसे मनाई जाती है। आज 192 देशों में बाबासाहेब की जय जयकार होती है। अमेरिका ने भी माना कि बाबासाहेब अंबेडकर ने हमारे यहां शिक्षा ग्रहण करके उसका सफल प्रयोग भारत में

किया। प्रो. स्नेही ने कहा कि मोदी सरकार ने आज बाबासाहेब पर चर्चा और विमर्श कराए जा रहे हैं जबकि उत्तर प्रदेश सरकार तो 10 दिन का अंबेडकर जयंती कार्यक्रम करा रही है। अकादमिक जगत में बाबासाहेब पर चर्चा-परिचर्चा होनी चाहिए। प्रो. कालीचरण ने डॉ. अम्बेडकर को कोट करते बताया कि जाति के विनाश से ही स्वस्थ्य लोकतंत्र का निर्माण संभव है। स्वतंत्रता, समता और बंधुत्व किसी भी संवैधानिक राष्ट्र के कारक होने चाहिए। उन्होंने कहा कि बाबासाहेब प्रत्येक नागरिक के लिए एक आदर्श हैं। आज भारत में सभी जगह महिलाओं के प्रतिनिधित्व में डॉ. अम्बेडकर का ही योगदान है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता व्यवसाय प्रशासन के विभागाध्यक्ष डॉ. मुशीर अहमद ने की।

एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में 300 के लगभग विद्यार्थियों और शिक्षकों ने पंजीकरण कराया जिसमें चुनिंदा प्रतिभागियों ने शोध पत्र का प्रस्तुतिकरण भी किया। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

अंबेडकर जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाषा विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. महेश कुमार की महती भूमिका रही जबकि संगोष्ठी के आयोजक के रूप में राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत संयोजक डॉ. अभय कृष्णा, सह संयोजक डॉ. पूनम चौधरी, डॉ. मनीष कुमार, आयोजन सचिव के डॉ. जफरुन नकी रहे।

मंच का संचालन विवि के विद्यार्थी नशरा अंसारी और रुद्राक्ष ने किया।

धन्यवाद ज्ञापन डॉ. मनीष कुमार ने दिया। संगोष्ठी के दौरान प्रो. सौबान सईद, डॉ. राजेंद्र त्रिपाठी, डॉ. नीरज शुक्ल, डॉ. शचींद्र शेखर, डॉ. सिद्धार्थ सुदीप, डॉ. लक्ष्मण सिंह के साथ विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक और विद्यार्थी भारी तादाद में उपस्थित रहे।

भाषा विवि में हुआ अम्बेडकर जयंती पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

सज्जाद बाक़र
सिटीज़न वॉयस,
संवाददाता
लखनऊ

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ में अम्बेडकर जयंती के पावन अवसर पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर के अटल सभागार में किया गया।

विदित है कि प्रत्येक वर्ष पूरे विश्व में बोधिसत्व भारतरत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती को धूमधाम से मनाया जाता है। इसी श्रृंखला में हरदोई सीतापुर रोड अवस्थित ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ में बाबासाहेब की 134 वीं जयंती के पावन अवसर पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन प्रो. जे पी पांडेय के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों द्वारा बाबासाहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके किया गया।

राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रो. कालीचरण स्नेही, सेवानिवृत्त, लखनऊ विश्वविद्यालय ने कहा कि बाबासाहेब विश्वभूषण हैं। जनता ने दुनियां को बता दिया कि अंबेडकर जयंती कैसे मनाई जाती है। आज 192 देशों में बाबासाहेब की जय जयकार होती है। अमेरिका ने भी माना कि बाबासाहेब अंबेडकर ने हमारे यहां शिक्षा ग्रहण करके उसका सफल प्रयोग भारत में किया। प्रो. स्नेही ने कहा कि मोदी सरकार ने आज बाबासाहेब पर चर्चा और विमर्श कराए जा रहे हैं जबकि उत्तर प्रदेश सरकार तो 10 दिन का अंबेडकर जयंती कार्यक्रम करा रही है। अकादमिक जगत में बाबासाहेब पर चर्चा-परिचर्चा होनी चाहिए। प्रो. कालीचरण ने डॉ. अम्बेडकर को कोट करते बताया कि जाति के विनाश से ही स्वस्थ्य लोकतंत्र का निर्माण संभव है। स्वतंत्रता, समता और बंधुत्वा किसी भी संवैधानिक राष्ट्र के कारक होने चाहिए। उन्होंने कहा कि बाबासाहेब प्रत्येक नागरिक के लिए एक आदर्श हैं। आज भारत में सभी जगह महिलाओं के प्रतिनिधित्व में डॉ. अम्बेडकर का ही योगदान है। कार्यक्रम की अध्यक्षता व्यवसाय प्रशासन के विभागाध्यक्ष डॉ. मुशीर अहमद ने की। एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में 300 के लगभग विद्यार्थियों और शिक्षकों ने पंजीकरण कराया जिसमें चुनिंदा प्रतिभागियों ने शोध पत्र का प्रस्तुतिकरण भी किया। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। अंबेडकर जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाषा विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. महेश कुमार की महती भूमिका रही जबकि संगोष्ठी के आयोजक के रूप में राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत संयोजक डॉ. अभय कृष्णा, सह संयोजक डॉ. पूनम चौधरी, डॉ. मनीष कुमार, आयोजन सचिव के डॉ. जफरुन नकी रहे।

मंच का संचालन विवि के विद्यार्थी नशरा अंसारी और रुद्राक्ष ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. मनीष कुमार ने दिया। संगोष्ठी के दौरान प्रो. सौबान सईद, डॉ. राजेंद्र त्रिपाठी, डॉ. नीरज शुक्ल, डॉ. शचींद्र शेखर, डॉ. सिद्धार्थ सुदीप, डॉ. लक्ष्मण सिंह के साथ विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक और विद्यार्थी भारी तादाद में उपस्थित रहे।